Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

As per model syllabus of U.G.C. New Delhi, drafted by Central Board of Studies and Approved by Higher Education and the Governor of M.P.

कला एवं समाज विज्ञान संकाय

Faculty of Art & Social Science

Syllabus & Prescribed Books

Subject – Music

B.A. Yearly Examination

2017-20

I, II & III Year

कुलसचिव

स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, सिरोंजा सागर (म.प्र.)

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

Department of Higher Education Govt. of M.P.
Syllabus for Under Graduate Classes
As Recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P. Session 2017-18

B.A. (Music) First Year Scheme

Sub. Code	Paper Name	Marks					Practical Marks		Total	
		Paper Marks Maximum			Total Marks					
		Theory	CCE 3 Month	CCE 6 Month	Max	Min	Max	Min	Max	Min
FC 101	Hindi Language & Moral Values	30	-	5	35+35+30=100	33	-	-	100	33
FC102	English Language	30	-	5						
FC103	Entrepreneurship Development	25	-	5						
BAMUS 104	Bhartiya Sangeet (Gayan)-I	40	5	5	50	17	50	17	100	33
BAMUS 105	Bhartiya Sangeet (Gayan)-II	40	5	5	50	17	50	17	100	33
BAMUS 106	Bhartiya Sangeet (Gayan)-I&II (Practical)	-	-	-	-	-	100	33	100	33
	Total				200		200		400	

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

Department of Higher Education Govt. of M.P.
Syllabus for Under Graduate Classes
As Recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P. Session 2018-19
B.A. (Music) Second Year Scheme

Sub. Code	Paper Name	Marks					Practical Marks		Total	
		Paper Marks Maximum			Total Marks					
		Theory	CCE 3 Month	CCE 6 Month	Max	Min	Max	Min	Max	Min
FC 201	Hindi Language & Moral Values	30	-	5	35+35 +30=100	33	-	-	100	33
FC202	English Language	30	-	5						
FC203	Environmental Studies	25	-	5						
BAMUS 204	Bhartiya Sangeet (Gayan)-III	40	5	5	50	17	50	17	100	33
BAMUS 205	Bhartiya Sangeet (Gayan)-IV	40	5	5	50	17	50	17	100	33
BAMUS 206	Bhartiya Sangeet (Gayan)-III&IV (Practical)	-	-	-	-	-	100	33	100	33
	Total				200		200		400	

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

Department of Higher Education Govt. of M.P.
Syllabus for Under Graduate Classes
As Recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P. Session 2019-20

B.A. (Music) Third Year Scheme

Sub. Code	Paper Name	Marks					Practical Marks		Total	
		Paper Marks Maximum			Total Marks					
		Theory	CCE 3 Month	CCE 6 Month	Max	Min	Max	Min	Max	Min
FC 301	Hindi Language & Moral Values	30	-	5	35+35 +30=100	33	-	-	100	33
FC302	English Language	30	-	5						
FC303	Basic of computer & Information technology	25	-	5						
BAMUS 304	Bhartiya Sangeet (Gayan)-V	40	5	5	50	17	50	17	100	33
BAMUS 305	Bhartiya Sangeet (Gayan)-VI	40	5	5	50	17	50	17	100	33
BAMUS 306	Bhartiya Sangeet (Gayan)-V&VI (Practical)	-	-	-	-	-	100	33	100	33
	Total				200		200		400	

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)
स्नातक – प्रथम वर्ष
सैद्धांतिक –प्रथम प्रश्न पत्र
सत्र–2017–18

पूर्णांक – 40

आंतरिक मूल्यांकन – 10

सैद्धांतिक प्रथम प्रश्नपत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे –

(रागों के नाम– यमन, बिलावल, खमाज, आसावरी, काफी, भैरव)

इकाई – 1

परिभाषाएँ

अ. संगीत, स्वर, अलंकार सप्तक, थाट, राग।
ब. आरोह, अवरोह, पकड़, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी।

इकाई–2

निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह–अवरोह एवं पकड़ सहित विवरण–

अ. यमन, बिलावल, खमाज।
ब. उपरोक्त रागों के प्रारंभिक पाँच अलंकारों का लेखन/अभ्यास।

इकाई–3

अ. पं. विष्णु नारायण भातखंडे की स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन।
ब. सामान्य ज्ञान – सरगम, लक्षणगीत एवं छोटाख्याल।

इकाई–4

अ. हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के दस थाट एवं उनके सांकेतिक चिन्ह।
ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. छोटाख्याल

इकाई–5

अ. पं. विष्णु नारायण भातखंडे जी का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।
ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन (मात्रा, बोल एवं चिन्ह सहित)–
त्रिताल, एकताल।

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)
स्नातक – प्रथम वर्ष
सैद्धांतिक –द्वितीय प्रश्न पत्र
सत्र–2017–18

पूर्णांक – 40

आंतरिक मूल्यांकन – 10

सैद्धांतिक प्रथम प्रश्नपत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे –

(रागों के नाम– यमन, बिलावल, खमाज, आसावरी, काफी, भैरव)

इकाई –1

परिभाषाएँ

अ. नाद, श्रुति, पूर्वांग, उत्तरांग, आश्रय राग।
ब. वर्जित स्वर, वक्र स्वर, कण स्वर, मींड, वर्ण।

इकाई–2

अ. निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह, अवरोह एवं पकड सहित विवरण–
भैरव, काफी, आसावरी।
ब. उपरोक्त रागों के प्रारंभिक पाँच अलंकारों का लेखन/अभ्यास।

इकाई–3

अ. राग–जाति का सामान्य अध्ययन (औडव, षाडव, संपूर्ण)।
ब. राग की 09 उपजातियाँ।

इकाई–4

अ. शुद्ध, छायालग, संकीर्ण राग।
ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. छोटाख्याल

इकाई– 5

अ. पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर जी का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।
ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन (मात्रा, बोल, चिन्ह सहित)–
झपताल, चौताल।

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)

स्नातक – प्रथम वर्ष

प्रायोगिक

सत्र–2017–18

पूर्णांक – 100

उत्तीर्णांक – 33

सैद्धांतिक प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नपत्र में निर्धारित समस्त रागों के आधार पर प्रायोगिक परीक्षा संपन्न होगी – (रागों के नाम– यमन, बिलावल, खमाज, आसावरी, काफी, भैरव)

1. समस्त रागों में प्रारंभिक पांच अलंकारों का गायन।
2. समस्त रागों में आरोह, अवरोह, पकड एवं सरगम का गायन।
3. समस्त रागों में लक्षणगीतों का गायन।
4. समस्त रागों में छोटा ख्याल का गायन।
5. निम्नलिखित तालों की हाथ से ताली देकर प्रस्तुति–
   त्रिताल, एकताल, झपताल एवं चौताल।
6. भजन, राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, मध्यप्रदेश गीत का गायन।

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)
स्नातक –द्वितीय वर्ष
सैद्धांतिक –प्रथम प्रश्न पत्र
सत्र–2018–19

पूर्णांक – 40

आंतरिक मूल्यांकन – 10

सैद्धांतिक प्रथम प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–

(रागों के नाम – वृंदावनी सारंग, हमीर, केदार, बिहास, पूरिया, मालकौंस , देस)

इकाई–1

परिभाषाएँ :

अ. ग्रह, अंश, न्यास, अल्पत्त्व, बहुत्व, आलाप तथा बोल आलाप।
ब. भारतीय संगीत का संक्षिप्त इतिहास।

इकाई–2

अ. निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह, अवरोह एवं पकड़ सहित विवरण–
वृंदावनी सारंग, केदार, बिहाग।
ब. राग यमन, बिलावल एवं भैरव में क्रमांक 06 से 10 तक अलंकारों का लेखन।

इकाई–3

अ. पं. विष्णु दिगंबर पलुस्कर की स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन।
ब. सामान्य ज्ञान : विलंबित ख्याल, ध्रुवपद, तराना।

इकाई–4

अ. तानपूरे का सचित्र विवरण।
ब.पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. स्रगम 2. लक्षणगीत 3. विलंबितख्याल 4. छोटाख्याल 5. ध्रुवपद।

इकाई–5

अ. स्वामी हरिदास का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।
ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन एवं दुगुन सहित लेखन (मात्रा, बोल एवं चिन्ह सहित)–
तिलवाड़ा एवं कहरवा।

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)
स्नातक –द्वितीय वर्ष
सैद्धांतिक –द्वितीय प्रश्न पत्र
सत्र–2018–19

पूर्णांक – 40

आंतरिक मूल्यांकन – 10

सैद्धांतिक प्रथम प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–

(रागों के नाम – वृंदावनी सारंग, हमीर, केदार, बिहास, पूरिया, मालकौंस , देस)

इकाई–1

अ. ताल, लय, मात्रा, सम, ताली, खाली, आवर्तन।
ब. नाद की विशेषताएँ – सांगीतिक एवं असांगीतिक ध्वनि।

इकाई–2

अ. निम्नलिखित रागों का दोहा, आरोह, अवरोह एवं पकड़ सहित विवरण–
पूरिया, मालकौंस, देस।
ब. हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के 40 सिद्धांत।

इकाई–3

अ. गायकों के गुण।
ब. गायकों के अवगुण।

इकाई–4

अ. तबले का सचित्र वर्णन।
ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. विलंबितख्याल 4. छोटाख्याल 5. ध्रुवपद।

इकाई–5

अ. तानसेन का जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान।
ब. निम्नलिखित तालों का अध्ययन एवं दुगुन सहित लेखन (मात्रा, बोल एवं चिन्ह सहित)–
धमार, दादरा।

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)
स्नातक – द्वितीय वर्ष
प्रायोगिक
सत्र–2018–19

पूर्णांक – 100
उत्तीर्णांक – 33

- गत वर्ष के प्रायोगिक पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
- सैद्धांतिक प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नपत्र में निर्धारित समस्त रागों के आधार पर प्रायोगिक परीक्षा संपन्न होगी।

(रागों के नाम– वृंदावनी सारंग, हमीर, केदार, बिहास, पूरिया, मालकौंस , देस)

1. राग यमन, बिलावल एवं भैरव में क्रमांक 06 से 10 तक अलंकारों का गायन।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में सरगम गीत का गायन।
3. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में लक्षणगीत का गायन।
4. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं एक राग में एक विलंबित ख्याल का गायन (केवल बंदिश)।
5. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं चार रागों में छोटा ख्याल का गायन (तानों सहित) एवं एक तराना गायन।
6. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों में से किन्हीं एक राग में एक ध्रुवपद का गायन एवं दुगुन।
7. निम्नलिखित तालों की हाथ से ताली दे कर प्रस्तुति–
   तिलवाड़ा, कहरवा, दादरा, धमार।
8. लोकगीत का गायन

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)
स्नातक –तृतीय वर्ष
सैद्धांतिक –प्रथम प्रश्न पत्र
सत्र–2019–20

पूर्णांक – 40

आंतरिक मूल्यांकन – 10

सैद्धांतिक प्रथम प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–

(रागों के नाम – बहार, मियां मल्हार, अडाणा, दरबारी कान्हडा, भूपाली, देशकार)

इकाई–1

अ. अंतराल, मेजर टोन, माइनर टोन, सेमीटोन, ऑक्टेव।
ब. वाग्गेयकार की परिभाषा – प्रकार एवं लक्षण।

इकाई–2

अ. प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक कालीन श्रुति–स्वर व्यवस्था।
ब. ग्राम–परिभाषा एवं प्रकार।

इकाई–3

अ. मूर्च्छना–परिभाषा एवं प्रकार।
ब. तान–परिभाषा एवं प्रकार।

इकाई–4

अ. कर्नाटक पद्धति के मुख्य सात ताल।
ब. कर्नाटक पद्धति के विभिन्न गीत प्रकार।

इकाई–5

निम्नलिखित संगीतज्ञों का जीवन –परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में उनका योगदान–

1. पं. भीमसेन जोशी
2. पं. कुमार गंधर्व
3. विदुषी किशोरी अमोनकर
4. विदुषी प्रभा अत्रे

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)
स्नातक –तृतीय वर्ष
सैद्धांतिक –द्वितीय प्रश्न पत्र
सत्र–2019–20

पूर्णांक – 40

आंतरिक मूल्यांकन – 10

सैद्धांतिक प्रथम प्रश्न पत्र में निर्धारित राग निम्नानुसार रहेंगे–

(रागों के नाम – बहार, मियां मल्हार, अडाणा, दरबारी कान्हडा, भूपाली, देशकार)

इकाई–1

अ. रागों का समय चक्र।
ब. संधिप्रकाश राग एवं परमेल प्रवेशक राग।

इकाई–2

अ. पाठ्यक्रम के रागों का विवरण तथा तुलनात्मक अध्ययन–
1. भूपाली–देशकर
2. ब्हार–मियांमल्हार
3. अडाणा–दरबारी कान्हडा

ब. पाठ्यक्रम में निर्धारित निम्नलिखित गीतों का स्वरलिपि सहित लेखन–
1. सरगम 2. लक्षणगीत 3. विलंबितख्याल 4. छोटाख्याल 5. धमार।

इकाई–3

अ. पं. व्यंकटमखी के 72 मेलों की रचना का सिद्धांत।
ब. थाट पूर्वी, मारवा, तोडी एवं भैरवी में प्रारंभिक पांच अलंकारों का लेखन।

इकाई–4

अ. एक सप्तक के आधार पर 484 रागों की रचना का सिद्धांत।
ब. थाट पूर्वी, मारवा, तोडी एवं भैरवी में प्रारंभिक पांच अलंकारों का लेखन।

इकाई–5

अ. राग–रागिनी वर्गीकरण।
ब. ताल तीव्रा, रूपक, झूमरा, दीपचन्दी का ठाह, दुगुन एवं चौगुन सहित लेखन।

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

एकीकृत त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम : भारतीय संगीत (गायन)
स्नातक –तृतीय वर्ष
सैद्धांतिक –द्वितीय प्रश्न पत्र
सत्र–2019–20

पूर्णांक –100
उत्तीर्णांक – 33

- गत वर्षों के प्रायोगिक पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति
- सैद्धांतिक प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न पत्र में निर्धारित समस्त रागों के आधार पर प्रायोगिक परीक्षा संपन्न होगी–

  (रागों के नाम – बहार, मियां मल्हार, अडाणा, दरबारी कान्हडा, भूपाली, देशकार)

1. ठाठ मारवा, पूर्वी, तोड़ी और भैरवी में पांच प्रारंभिक अलंकारों का गायन।
2. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में सरगम गायन।
3. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्ही दो रागों में लक्षणगीत गायन।
4. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्हीं दो रागों में विलंबित ख्याल (गायकी सहित)।
5. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किन्हीं चार रागों में छोटा ख्याल का गायन (तानों सहित)।
6. पाठ्यक्रम के निर्धारित रागों में से किसी एक राग में एक धमार का गायन (दुगुन, चौगुन सहित)।
7. निम्नलिखित तालों की हाथ से ताली दे कर प्रस्तुति–
   रूपक, तीव्रा, झूमरा, दीपचंदी।

Swami Vivekanand University, Sagar(M.P.)

एकीकृत स्नातक स्तरीय त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम हेतु सन्दर्भ ग्रंथ सूची

क्र.	पुस्तक का नाम	लेखक का नाम
1.	गीत मंजरी	पं. विनयचन्द्र मौदगल्य
2.	स्वकीया	पं. गुणवंत व्यास
3.	संगीत प्रभाकर दर्शिका	पं. नारायण गुणे
4.	हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 01 से 04	पं. विष्णु नारायण भातखंडे
5.	संगीतांजलि भाग – 01 से 03	पं. ओंकारनाथ ठाकुर
6.	अभिनव गीत मंजरी भाग–01 से 03	पं. रातंजनकर
7.	अभिनव गीतांजलि भाग– 01 से 04	पं. रामाश्रय झा
8.	संगीत विशारद	वसंत, संपादक–लक्ष्मी नारायण गर्ग
9.	नद निनाद	डॉ. वीणा सहस्त्रबुद्धे
10.	राग रचनांजलि	डॉ. अश्विनी भिडे
11.	स्वरांगिनी	डॉ. प्रभा अत्रे
12.	स्वरंजनी	डॉ. प्रभा अत्रे
13.	रागरसमंजरी	डॉ. लक्ष्मण भट्ट तेलंगृ
.14.	राग शास्त्र भाग 01 एवं 02	डॉ. गीता बैनर्जी
15.	संगीतमणि	डॉ. महारानी शर्मा
16.	संगीत बोध	डॉ. शरद चन्द्र परांजपे
17.	हमारे संगीत रत्न	वसंत, संपादक–लक्ष्मी नारायण गर्ग
18.	म.प्र. के संगीतज्ञ	प्यारेलाल श्रीमाल
19.	संगीत शास्त्र दर्पण भाग–01 से 03	शांति गोवर्धन
20.	दिनरंग	पं. दिनकर कायकिणी